विद्युत मंत्री संसदीय कार्य मंत्री और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री पी.आर.कुमारमंगलम): (क) और (ख) जी,हां । एक राष्ट्रीय पावरग्रिड की परिकल्पना की गई है जिसे सोपानों में क्रियान्वित किया जाएगा । इस समय अभिज्ञात किए गए सोपान निम्नवत हैं:

(i) क्षेत्रीय ग्रिडों को अंत: संयोजित किए जाने के पहले चरण में विभिन्न क्षमता(500-1000 में.वा.) के चार एच.वी.डी.सी. बैक-टू-बैंक संयोजकों की आयोजना की गई हैं । इनमें से उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्र (विन्ध्याचल) तथा पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्र (चन्द्रपुर) के मध्य दो एच.वी.डी.सी.बैक-टू बैंक संयोजक प्रचालनाधीन हैं । पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्र (गुजुवाका) तथा पूर्वी और उत्तरी क्षेत्र (सासाराम) को जोड़ने वाले अन्य दो संयोजक क्रियान्वयन की विभिन्न अवस्थाओं में हैं । एच.वी.डी.सी.संयोजकों के अलावा,पूर्वी से पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों तक 400 के.वी. लाइनों की आयोजना की गई हैं ।

(ii) दूसरे चरण में,पूर्वी क्षेत्र से अन्य क्षेत्रों में उच्च क्षमता के एच.वी.डी.सी.बाईपोल की आयोजना की गई है ताकि सी.ई.पी.ए.के तालचेर चरण-2 (2000 में.वा.) और हिरमा(3960 मे.वा.) इत्यादि मेगा परियोजनाओं से विद्युत की निकासी की जा सके ।

(iii) तीसरे चरण में,एक सशक्त समकालित ग्रिड का प्रस्ताव हैं जिसमें समकालित रूप से पूर्वी,उत्तर-पूर्वी,पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों को अत: संयोजित करने के लिए दो 765 के.वी. लाइनों की परिकल्पना की गई हैं ।

(ग) से (ड़) दसवीं और ग्यारहवीं योजना के समनरूप पारेषण नेटवर्को के विकास के लिए वित्त पोषण की अनुमानित लागत और पद्वति विस्तृत पारेषण आयोजना अध्ययनों के आधार पर पारेषण आवश्यकताओं के निर्धारण के पश्चात् ही निकाली जा सकेंगी ।

क्षेत्रीय ग्रिडों के प्रथम चरण को 2001-2002 तक तथा अंतिम चरण की ग्यारहवीं योजना के अंत,2012 तक पूरा कर लिए जाने की आशा हैं ।

Mega Power Policy

892. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether the Confederation of Indian Industry has made a number of proposals for successful implementation of the mega power policy announced by Government;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have examined the proposals of CII; and

(d) if so, to what extent the said proposals are going to help in the implementation of mega power policy?

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P. R. KUMARAMANGALAM): (a) to (d) The government has been receiving a number of suggestions from various parties including the Confederation of Indian Industry on different aspects of the private power policy including the policy on development of multi state mega power projects. These relate to the security mechanisms for such projects, concessions to be made available to them and the need to reform the power sectors in the States. Such suggestions arc taken into consideration while formulating the policies.

Setting up Power Projects in States

893. SHRI LAJPAT RAI: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) the details of power projects identified in Punjab and other states both in the private and the public sector to be installed with or without foreign aid during the next five years;

(b) whether ft is a fact that inspite of clearance of various power projects by the C.E.A., many states could not execute the projects;